* विवेकी राय *

- जीवनकाल => 19 Nov. 1924 - 22 Nov. 2016
- जन्म-मृत्यु स्थल => ग्राम सोनवानी, गाजीपुर (U.P.) में जन्म, मृत्यु वाराणसी में।

- उपन्यास =>
  - बबूल => 1967 ई.
  - पुरुषपुराण => 1975 ई.। 'दुःखन' के द्वारा नये और पुराने का संघर्ष चित्रित।
  - लोकऋण => 1977 ई.। ग्रामीण संस्कृति एवं आधुनिक संस्कृति में तनाव का अंकन।
  - श्वेत पत्र => 1979 ई.। पूर्वांचल के जनजीवन का चित्रण
  - सोनामाटी => 1983 ई.। गाजीपुर- बलिया के मध्य स्थित करइल क्षेत्र के जनजीवन का चित्र
  - समर शेष है => 1988 ई.। पूर्वांचल के किसान- मजदूरों के शोषण का अंकन।
  - मंगलभवन => 1994 ई.। राष्ट्रनिष्ठा एवं देश भक्ति का अंकन।
  - नमामि ग्रामम् => 1997 ई.। ग्राम दुर्दशा का चित्रण।
  - अमंगल हारी => 2000 ई.
  - देहरी के पार => 2003 ई.

- कहानी संग्रह => नयी कोयल (1975), गूँगा जहाज (1977), बेटे की बिक्री (1981), कालातीत (1982), चित्रकूट के घाट पर (1988), सर्कस (2005)

- **निबंध संग्रह** => किसानों का देश (1956), गाँवों की दुनिया (1957), त्रिधारा (1958), फिर बैतलवा डाल पर (1962), आस्था और चिन्तन (1991), गँवई गंध गुलाब (1980), नया गाँव नाम (1984), आम रास्ता नहीं है (1988), जगत तपोवन सो कियो (1995), जीवन अज्ञात का गणित है (2004), मनबोध मास्टर की डायरी (2006)

- **काव्य संग्रह** => दीक्षा

- **आलोचना** =>
  - कल्पना और हिंदी साहित्य (1999)
  - नरेन्द्र कोहली: अप्रतिम कथा यात्री

- **रिपोर्ताज** =>
  - जुलूस रुका है (1977)
  - बाढ़! बाढ़!! बाढ़!!!

- **डायरी** =>
  - मनबोध मास्टर की डायरी (2006)

- **साक्षात्कार** =>
  - सवालों के सामने (2007)

- **पत्र साहित्य** =>
  - पत्रों की छाँव में (2003)

- **संस्मरण** =>
  - आँगन के वन्दनवार (2003)
  - मेरे सुहृद श्रद्धेय (2005)

Camlin

* नरेश मेहता *

- जीवनकाल :- 15 Feb. 1922 – 2000
- जन्मस्थल :- शाजापुर (MP) में जन्म
- मूलनाम :- पूर्णशंकर शुक्ल
- संपादन :- • चोखा संसार - इंदौर - हिंदी दैनिक
  • कृति (दिल्ली श्री कांत वर्मा के साथ) - 1958

- काव्य :- वनपांखी सुनो, बोलने दो चीड़ को, मेरा समर्पित एकांत, उत्सव, संशय की रात (1962), तुम मेरा मौन हो (1983), महाप्रस्थान, शबरी, प्रसाद पर्व, उत्सवा, अरण्या (1988) प्रार्थना पुरुष (1988), चैत्या (1993), आखिर समुद्र से तात्पर्य

- संशय की एक रात नाट्य शैली में रचित खंड काव्य है जिसमें राम का संशय चित्रित।
- प्रार्थना पुरुष खंडकाव्य में महात्मा गांधी का जीवन चरित्र अंकित।
- समय देवता प्रसिद्ध लंबी कविता मेरा समर्पित एकांत उत्सव में संकलित।

- उपन्यास :-
  - डूबते मस्तूल :- 1954 ई। कथा नायिका रंजना के माध्यम से स्त्री की समस्याओं का अंकन।
  - यह पथ बंधु था :- 1962 ई। आदर्शवादी दंपति श्रीधर एवं सरस्वती के जीवन संघर्ष का अंकन।
    प्रमुख पात्र - श्रीधर, सरस्वती, मालती, बिरान, इन्दु, दीदी
  - धूमकेतु : एक श्रुति :- 1962 ई। बालक उदयन के शैशव अवस्था का मनोवैज्ञानिक अंकन।
  - दो एकांत :- 1964 ई। आधुनिक समाज में स्त्री पुरुष के उनते बिगड़ते संबंधों का चित्रण।
  - नदी यशस्वी है :- 1967 ई। उदयन के किशोरावस्था की अनंत जिज्ञासा का अंकन।
  - प्रथम फाल्गुन :- 1968 ई। महिम एवं गोपा के प्रगाढ़ प्रेम का चित्रण
  - उत्तर कथा :- दो भाग - 1979 ई., 1982 ई। मालव के कुलीन ब्राह्मण परिवार के जीवन का यथार्थ अंकन।

- नाटक :- • खंडित यात्राएँ - 1962 ई.

- आत्मकथा :- • हम अनिकेतन - 1995 ई.

Camlin

• यात्रा साहित्य ⇒ • साथ चले न जगात - 1991
• कितना अकेला आकाश - 2003

• जीवनी ⇒ • उत्सव पुरुष (2003) - महिमा मेहता (पत्नी)

• आलोचना ⇒ • मुक्तिबोध एक अवधूत कविता
• शब्द पुरुष अज्ञेय
• काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व
• काव्यात्मकता का दिक्काल

• सम्मान ⇒ • साहित्य अकादमी - 1988 - अरण्या हेतु
• ज्ञानपीठ पुरस्कार - 1992 - समग्र योगदान हेतु

* शमशेर बहादुर सिंह *

- जीवनकाल :- 13 Jan. 1911 - 12 May 1993
- जन्म-मृत्यु स्थल :- जन्म देहरादून एवं मृत्यु अहमदाबाद में
- माता पिता :- परमदेवी - तारीफ सिंह
- उपाधि :- • कवियों का कवि - अज्ञेय
  - मूड्स का कवि - मलयज
  - हिंदी - उर्दू का दोआब - स्वयं कहा
- संपादन :- • रूपाभ (1939 में इलाहाबाद शाखा में)
  - कहानी (1940 त्रिलोचन के साथ)
  - नया साहित्य (1946, मुंबई)
  - माया (1948-54 सहायक संपादक)
  - नया पथ
  - मनोहर कहानियाँ
  - 'उर्दू हिन्दी कोश' - शब्द कोश का संपादन DU के लिए

- काव्य :- कुछ कविताएँ (1959), कुछ और कविताएँ (1961), चुका भी हूँ नहीं मैं (1975), इतने अपने पास (1980), उदिता: अभिव्यक्ति का संघर्ष (1980), बात बोलेगी, हम नहीं (1981) काल तुझसे होड़ है मेरी (1988), कहीं बहुत दूर से सुन रहा हूँ (1995), सुकून की तलाश (1998)

* प्रसिद्ध कविताएँ :- अमन का राग (1952), टूटी हुई बिखरी हुई, एक पीली शाम (1953), समय साम्यवादी आदि।

रिपोर्ताज

- ~~कहानी संग्रह~~ :- • प्लाट का मोर्चा

- आलोचना :- • दोआब - (1945, समीक्षाओं का संकलन)
  - कुछ गद्य रचनाएँ
  - कुछ और गद्य रचनाएँ - 1989

- जीवनी :- • मेरे बड़े भाई शमशेर जी (1993) - तेजबहादुर चौधरी

- सम्मान :- • साहित्य अकादमी सम्मान (1977) - चुका भी नहीं हूँ मैं

Camlin

- आलोचनात्मक कथन ⇒
- शमशेर बहादुर सिंह ⇒ मैं हिंदी और उर्दू का दोआब हूँ।
- शमशेर बहादुर सिंह ⇒ टेक्नीक में एजरा पाउंड शायद मेरा सबसे बड़ा आदर्श बन गया था।
- विष्णु खरे ⇒ शमशेर की शमशेरियत
- रामचंद्र तिवारी ⇒ शमशेर का गद्य हिन्दी का जातीय गद्य है।
- रामस्वरूप चतुर्वेदी ⇒ भाषा में बोलचाल के गद्य का लहजा, और संगीत लय में संगीत का चरम अमूर्तन इन दो परस्पर प्रतिरोधी मनःस्थितियों को उनकी कला साधती है।
- मुक्तिबोध ⇒ प्रणय जीवन का प्रसंगबद्ध रसवादी कवि।
- मुक्तिबोध ⇒ शमशेर की मूल मनोवृत्ति एक इंप्रेशनिस्टिक चित्रकार की है।
- मुक्तिबोध ⇒ शमशेर की आत्मा ने अपनी अभिव्यक्ति का एक प्रभावशाली भवन अपने हाथों तैयार किया है। उस भवन में जाने से डर लगता है - उसकी गंभीर प्रयत्न साध्य पवित्रता के कारण।